

भगत नामदेव – सबद ६१
अकुल पुरख इकु चलितु उपाइआ ॥
रागु प्रभाती, भगत नामदेव, गुरु ग्रंथ साहिब, १३५१

अकुल पुरख इकु चलितु उपाइआ ॥
घटि घटि अंतरि ब्रह्मु लुकाइआ ॥ १ ॥
जीअ की जोति न जानै कोई ॥
तै मै कीआ सु मालूम होई ॥ १ ॥ रहाउ ॥
जिउ प्रगासिआ माटी कुँभेउ ॥
आप ही करता बीठुलु देउ ॥ २ ॥
जीअ का बंधनु करमु बिआपै ॥
जो किछु कीआ सु आपै आपै ॥ ३ ॥
प्रणवति नामदेउ इहु जीउ चितवै सु लहै ॥
अमरु होइ सद आकुल रहै ॥ ४ ॥ ३ ॥

सार: प्रत्येक मनुष्य के भीतर एक गहरी आंतरिक ज्योति विद्यमान है जो हमारी सामान्य पहचान के नीचे स्थित रहती है। बाहरी व्यक्तित्व हमारे स्वभाव, स्मृतियों, सामाजिक स्थिति और आदतों से निर्मित दिखाई देता है। किंतु इन बदलती हुई परतों के नीचे एक अधिक सार्वभौमिक और गहन अस्तित्व विद्यमान है। जब जागरूकता को बाहरी दिखावे के पीछे इस भीतरी आधार का एहसास होता है तब वह परिपक्व होने लगती है। तब साधक जीवन को केवल नाम, पहचान, भूमिका या व्यवहार तक सीमित करके देखना छोड़ देता है। जब व्यक्ति प्रत्येक प्राणी में उसी मूल तत्व की उपस्थिति को पहचानता है, तब विनम्रता उत्पन्न होती है। यह दृष्टि अहंकार और श्रेष्ठता की भावना को कम करती है और नैतिक स्पष्टता को स्वाभाविक बनाती है। विभाजित मन, व्यापक जीवंत समग्रता से जुड़ाव महसूस करने लगता है। जब चेतना बाहरी मुखौटे से आगे देखती है और भीतर स्थित स्रोत में टिकती है, तब शांति और गहरी हो जाती है।

अकुल पुरख इकु चलितु उपाइआ ॥

असीम और अद्वितीय आधार ने ही अस्तित्व की इस अद्भुत लीला को रचा है। यह दर्शाता है कि वास्तविकता ऐसा ही खेल है जो किसी पहचान या श्रेणी में बंधे बिना अनेक रूपों को प्रकट करता है।

घटि घटि अंतरि ब्रह्मु लुकाइआ ॥ १ ॥

हर जीव और हर तत्व के भीतर वह सर्वव्यापी वास्तविकता छिपी हुई है। इसका अर्थ है कि परम सत्य हर व्यक्ति के अंतर्मन में एक सूक्ष्म आधार के रूप में बसा हुआ है जिस पर सामान्यतः हमारी दृष्टि नहीं जाती। (१)

जीअ की जोति न जानै कोई ॥

जीवन-शक्ति के स्रोत को कोई नहीं पहचानता। यह आत्म-जागरूकता की कमी को दर्शाता है जिसमें ध्यान बाहरी वस्तुओं पर तो रहता है लेकिन हमारी अंतरात्मा में स्थित साक्षी-चेतना को हम अनदेखा कर देते हैं।

तै मै कीआ सु मालूम होई ॥ १ ॥ रहाउ ॥

तुम और मैं जो भी कर्म करते हैं, वह उसे ज्ञात है। यह हमारी अंतरात्मा और हमारे कर्मों के बीच कोई भेद न होने की ओर संकेत करता है। (१)(विराम)

जिउ प्रगासिआ माटी कुँभेउ ॥

जैसे मिट्टी का घड़ा मिट्टी से ही बनता है। घड़े का यह उदाहरण दिखाता है कि भौतिक अस्तित्व असल में उस सर्वव्यापी स्रोत का ही अस्थायी रूप है।

आप ही करता बीठुलु देउ ॥ २ ॥

वह सर्वव्यापी स्रोत ही रचयिता और भीतर रहने वाला आधार है। इसका मतलब है कि बनाने वाले और बनी हुई चीज़ के बीच कोई अंतर नहीं है, ब्रह्मांडीय ऊर्जा ही अस्तित्व का मूल तत्व है। (२)

जीअ का बंधनु करमु बिआपै ॥

मन अपने ही कर्मों के संस्कारों से बंधा होता है। यह बताता है कि दुःख और सीमाएँ अहं के लगाव से पैदा होने वाली कारण और प्रभाव की मानसिक कड़ियों से बनती हैं फिर यही कर्म और अनुभव जागरूकता प्राप्त करने का माध्यम भी बन सकते हैं।

जो किछु कीआ सु आपै आपै ॥३॥

जो कुछ भी होता है, वह स्वयं ही होता है। यह एक अद्वैत नज़रिया देता है, अंततः सभी घटनाएँ ब्रह्मांडीय नियमों का खेल हैं और अलग से किसी कर्ता का होना भ्रम है। (३)

प्रणवति नामदेउ इहु जीउ चितवै सु लहै ॥

विनम्रता के साथ नामदेव कहते हैं कि यह मन जिस चीज़ पर ध्यान लगाता है, वही उसे प्राप्त होता है। यह ध्यान केंद्रित करने के मनोवैज्ञानिक नियम को उजागर करता है, मन वैसा ही बन जाता है जिस पर वह बार-बार सोचता है जिसका अर्थ है कि आंतरिक एकाग्रता ही अनुभव और परिणाम को नियति का रूप देती है।

अमरु होइ सद आकुल रहै ॥४॥३॥

वह अमर होकर सदैव बंधन से मुक्त रहता है। यह दुःख से दूर, उस अवस्था की ओर इशारा करता है जो अपने शांत और सर्वव्यापी स्वरूप में स्थिर हो जाती है। (४)(३)

तत्त्व: भगत नामदेव विनम्रतापूर्वक मन को भीतर की ओर मोड़ने की शक्ति का वर्णन करते हैं। मन उसी ओर खिंचा चला जाता है जिस पर वह सच्ची निष्ठा से ध्यान लगाता है। डर पर आधारित जागरूकता बेचैनी पैदा करती है जबकि स्पष्टता स्थिरता लाती है। यह ध्यान और व्यक्तिगत विकास के बीच के संबंध को दिखाता है। साधकों को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि वह अपने मन में क्या आने देते हैं क्योंकि चाहत, विचार और इरादे ही उनके जीवन को आकार देते हैं। विनम्रता मन की दृष्टि को सुधार की ओर ले जाती है जिससे जीवन को सहारा देने वाली शक्ति का अनुभव करना

आसान हो जाता है। अंततः हमारे भीतर जो विकसित होता है, वह इस बात को दर्शाता है कि हम अपना सबसे गहरा विश्वास किस पर करते हैं।

सबद व्याख्या विनइंदर कौर और अमरदीप सिंह

Oneness In Diversity Research Foundation

वेबसाइट: OnenessInDiversity.com

ईमेल: onenessindiversityfoundation@gmail.com